

जु

षाष्ट्री क्षेष्ठ्री षुष्ठ्री देनी येथी ब्रेब्ही ब्रेब्ही ब्रेब्ही ब्रेब्ही ब्रेब्ही ब्रेब्ही



बुद्धा महामणि रतन पटिमाकर पूजेमि । एतेन सचवज्जेन महातेछो चेव महापञ्ञो । च महाभोगो च महायशो च भवन्तु मे । निब्बानस्स पचयो होतु।

Ma

भेड़्रम् ने हु स्डिन् इन् ने हैं ने हैं न द्वान न खुन् र्व ने हैं हैं र्व भेरी में कु से मुद्देश कु न्या हैं।

ब्र्सी में है है नहें लेखें हैं।